UNIVERSITY NEWS 19 JUNE 2026

NBT

एलयू में अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

राजभवन के निर्देश पर एलयू प्रशासन ने जारी किया आदेश

NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और छात्रावासों में अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए विवि प्रशासन ने अलग-अलग विभागों के प्रोफेसरों को नोडल अधिकारी नामित किया है। राज्यपाल सचिवालय के निर्देश पर एलयू की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

एलयू में स्टूडेंट्स को इस संवेदनशील विषय के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी बायोकेमिस्ट्री विभाग की प्रो. कुसुम यादव को सौंपी गई है। छात्र कल्याण प्रकोष्ठ और मुख्य अभिरक्षक को 'एंटी-रेडिकलाइजेशन' पर शिक्षक-अभिभावक बैठकों (PTA) के जरिए छात्रों की मनोदशा पर नजर रखने को कहा गया है। अगर कोई छात्र किसी प्रकार के मानसिक दबाव या संदिग्ध बहकावे में आता है, तो उसकी पहचान पूरी तरह गुप्त रखकर काउंसलिंग करने के लिए समाजशास्त्र विभाग की प्रो. अर्चना वर्मा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कुलानुशासक को हॉस्टलों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और आकस्मिक निरीक्षण करने का जिम्मा मिला है। सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष व्याख्यान आयोजित करेंगी। परिसर या हॉस्टल में कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर विधिक प्रकोष्ठ तुरंत पुलिस को सूचित करेगा और धर्मांतरण-विरोधी कानूनों के तहत कानूनी कार्रवाई करेगा।

HINDUSTAN

एलयू में शुरू होगा बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को बड़ी अकादमिक उपलब्धि मिली है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की स्टैंडिंग कमेटी ने विवि में पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होगा। बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 छात्रों के आधार पर तीन सेक्शन में कुल 180 सीटों को मंजूरी दी है। इस उपलब्धि के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जहां परिसर से सीधे बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड डिग्री की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे छात्रों को प्रबंधन और विधि शिक्षा के समन्वित अध्ययन का अवसर मिलेगा।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि बीसीआई की मंजूरी विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और कानूनी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक स्तर पर सक्षम कानूनी विशेषज्ञ और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

03 सेक्शन में 60 सीटों के आधार पर 180 सीटों को मिली मंजूरी

रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे

पाठ्यक्रम में प्रबंधन विज्ञान, वित्तीय लेखांकन, विपणन, संवैधानिक कानून, व्यापार कानून और अंतरराष्ट्रीय विधिक प्रणालियों का अध्ययन कराया जाएगा। मूट कोर्ट, लीगल ड्राफ्टिंग, केस स्टडी और इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बीबीए एलएलबी की डिग्री के बाद छात्रों के लिए कॉरपोरेट लॉ फर्म, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, बैंकिंग संस्थानों, एनबीएफसी, बीमा क्षेत्र और लीगल कंप्लायंस जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर खुलेंगे।

AMAR UJALA

कॅरिअर का नया मंत्र बना योग पांच साल में पांच गुना हुए छात्र

लविवि में 2020 में 37 छात्रों से शुरू हुए योग पाठ्यक्रम में अब विद्यार्थी 200 के पार

अभिषेक सहज

लखनऊ। योग के क्षेत्र में बढ़ रही रोजगार संभावनाओं के चलते युवा अब इसे कॅरिअर के रूप में अपना रहे हैं। विश्वविद्यालयों में योग के पाठ्यक्रम शुरू किए गए तो शुरू में भले ही विद्यार्थियों की संख्या कम रही हो लेकिन अब यहां प्रवेश के लिए कतार बढ़ रही है। लखनऊ विवि में 2020 में शुरू हुए योग पाठ्यक्रम में पहले वर्ष करीब 37 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था लेकिन अब यह संख्या 200 पार कर चुकी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में योग के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कोरोना काल में यहां देश की पहली योग फैकल्टी, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन स्थापित की गई थी। विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव इसके संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। डॉ. अमरजीत ने बताया कि हमारे यहां योग विभाग के अंतर्गत बीए/बीएससी (योग) में 60 सीटें, एमए/एमएससी (योग) में 50 सीटें और पीजी डिप्लोमा इन योग में 40 सीटों पर पाठ्यक्रम संचालित किए जा हैं। वर्ष 2020 में मात्र 37 विद्यार्थियों के साथ सत्र प्रारंभ किया गया था। 2021 में 64 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। 2022 में 89, 2023 में 98 और 2024 में 110 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। 2025 में 115 विद्यार्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। इस समय करीब 200 विद्यार्थी योग की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविरों का भी आयोजन किया जाता है। ये शिविर उच्च रक्तचाप, मधुमेह और तनाव जैसे जीवन शैली जनित रोगों से बचाव पर केंद्रित होते हैं।

इन क्षेत्रों में बढ़े नौकरी के अवसर
लविवि में योग विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि आयुष चिकित्सालय, केंद्रीय विद्यालय, एआईएमएस, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय आयुष मिशन की योग परियोजनाओं में योग विशेषज्ञों के लिए अवसर हैं। इसके अलावा योग प्रशिक्षक, योग शिक्षक, योग थेरेपिस्ट, वेलनेस कंसल्टेंट, योग रिसर्चर, कॉर्पोरेट योग ट्रेनर के साथ ही जिम, स्पा और रिसॉर्ट्स में भी काफी अवसर हैं।

पुनर्वास विवि में इस सत्र से शुरू होगा सर्टिफिकेट कोर्स : योग पाठ्यक्रमों की मांग को देखते हुए शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि में भी इसी सत्र से एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा है। विवि में क्रीड़ा एवं योग प्रकोष्ठ के निदेशक पांडेय राजीव नयन ने बताया कि पिछले साल विवि में योग विभाग शुरू हुआ था और इस वर्ष हम सर्टिफिकेट कोर्स से इसकी शुरुआत कर रहे हैं जिसकी फीस करीब पांच हजार होगी। दिव्यांगों के लिए शुल्क में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। उन्होंने बताया कि आगे डिप्लोमा और डिग्री कोर्स चलाने की भी तैयारी है जिसके लिए एक-एक कर प्रपोजल भेजा जाएगा।

DAINIK JAGRAN

शैक्षणिक परिसरों में मतांतरण रोकथाम की निगरानी को सात नोडल अफसर तय

जासं • लखनऊ : शैक्षणिक परिसरों में प्रलोभन अथवा मानसिक दबाव के जरिए विद्यार्थियों के कराए जा रहे मतांतरण मामले में जनभवन ने सख्त कदम उठाया है। कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी की ओर से राज्य विश्वविद्यालयों को जारी निर्देशों के क्रम में गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने परिसर में मतांतरण की गतिविधियों को रोकने और प्रभावी कदम उठाने के लिए अलग-अलग विभागों के सात प्रोफेसरों को नोडल अधिकारी नामित किया है। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने कुलपति के आदेश पर नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विस्तृत गाइडलाइन जारी की।

जीव रसायन विभाग की प्रो. कुसुम यादव को मेंटर मेंटी एवं संवाद कार्यक्रम का नोडल अधिकारी बनाया गया है, ताकि विद्यार्थियों इस विषय पर जागरूक किया जा सके। मुख्य अभिरक्षक प्रो. आशीष अवस्थी और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया को सतत निगरानी के साथ छात्र कल्याण प्रकोष्ठ को अधिक सक्रिय करने, शिक्षक अभिभावकों की बैठक व संवादों से विद्यार्थियों की मनोदशा और उनकी समस्याओं पर निरंतर नजर रखने के लिए कहा गया है।

मजबूत होगी काउंसिलिंग व्यवस्था : समाजशास्त्र विभाग की प्रो. अर्चना वर्मा को काउंसिलिंग सेंटर व्यवस्था का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी को छात्रावास एवं बाहरी तत्वों पर निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा को जागरूकता एवं मूल्यपरक शिक्षा कार्यक्रमों का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि निदेशक, विधिक प्रकोष्ठ को त्वरित विधिक प्रकोष्ठ से संबंधित मामलों का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार के प्रलोभन, मानसिक दबाव या अनुचित प्रभाव से बचाने के लिए छात्र कल्याण प्रकोष्ठ, काउंसिलिंग सेंटर और छात्रावासों की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

जनभवन की ओर से जारी निर्देशों के क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय ने उठाए कदम
कुलसचिव ने कुलपति के आदेश पर जारी की विस्तृत गाइडलाइन

शिक्षा संस्थानों में मतांतरण रोकने के लिए बनेगा सेल

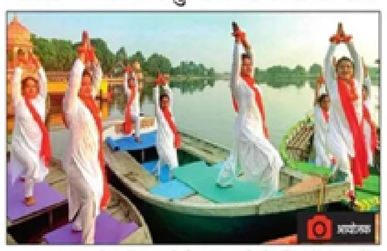

राज्यपाल के सुझाव

11 जून को जागरण में प्रकाशित खबर।

DAINIK JAGRAN

लवि : 25 जुलाई तक प्रवेश, 27 से नए विद्यार्थियों की पढ़ाई

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परिसर एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के लिए 2026-27 का एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया 25 जुलाई तक पूरी की जाएगी। 27 जुलाई से नए प्रवेशित विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू होगी। वहीं, तीसरे सेमेस्टर की 21 जुलाई से आरंभ होगी। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने कालेजों को एकेडमिक कैलेंडर की समय सीमा का अनुपालन करने के निर्देश दिए हैं।

नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम 27 से 31 जुलाई तक होगा। सेमेस्टर का शिक्षण कार्य पूरा करने की अवधि 15 सप्ताह यानि 90 दिन तय किया गया है जो 31 अक्टूबर तक पूरा होगा। 10 नवंबर से प्रयोगात्मक परीक्षाएं और 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक सेमेस्टर परीक्षाएं संचालित की जाएंगी।

सम सेमेस्टर की कक्षाएं चार जनवरी से : दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर की कक्षाएं चार जनवरी से शुरू होकर तीन अप्रैल तक जारी रहेंगी। 10 अप्रैल से प्रयोगात्मक परीक्षाएं और 12 अप्रैल से सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू होंगी। वार्षिक परीक्षा परिणाम 15 जून तक जारी होंगे।

DAINIK JAGRAN

तन से मन का योग...

लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग ने गुरुवार को गुलाब कुटिया घाट स्थित गोमती नदी में नाव पर विशेष योगाभ्यास का आयोजन किया।

HINDUSTAN

एकाग्रता बढ़ाने के लिए गोमती में नाव पर किया योगाभ्यास

I NEXT

भव्य योग कार्यक्रम का होगा आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कला संकाय प्रांगण मे सुबह 6 :30 बजे भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन होगा , सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक, शिक्षको, अधिकारियो, कर्मचारियो व विद्यार्थियो को इसमे प्रतिभाग करने के लिए कहा गया है .

AMAR UJALA

गोमती में नाव पर हुआ विशेष योगाभ्यास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में योग संकाय की ओर से 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत गोमती में नाव पर विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक वातावरण में योग के महत्व और नदी तट व सूर्योदय के समय योगाभ्यास के लाभों के प्रति जागरूक करना रहा। डॉ. अमरजीत यादव ने कहा कि शांत जल के बीच नाव पर योग करने से एकाग्रता बढ़ती है और मानसिक तनाव कम होता है इस दौरान दीपा श्रीवास्तव, कैलाश कुमार, मोनिका सिंह, अर्चना सिंह उपस्थित रहे। (संवाद)

धर्मांतरण रोकने के लिए छह नोडल अधिकारी नियुक्त

लखनऊ। लविवि प्रशासन ने परिसर में धर्मांतरण गतिविधियों की रोकथाम के लिए छह नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। यह कदम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशों के बाद उठाया गया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से जारी आदेश के अनुसार, किसी भी छात्र को प्रभावित कर, भय दिखाकर, मानसिक दबाव बनाकर या प्रलोभन देकर किए जाने वाले अवैध अथवा जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए विभिन्न स्तरों पर निवारक उपाय लागू किए जाएंगे। विवि में मेंटर-मेंटी सत्रों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। छात्र कल्याण प्रकोष्ठ और संवाद तंत्र को सक्रिय कर विद्यार्थियों की समस्याओं पर नियमित निगरानी रखी जाएगी। साथ ही काउंसिलिंग सेंटरों को सशक्त बनाया जाएगा। नोडल अधिकारियों में प्रो. कुसुम यादव, प्रो. अर्चना वर्मा, प्रो. शीला मिश्रा सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। (संवाद)

DAINIK JAGRAN

'नियमित योग करने से कम होता है मानसिक तनाव'

योग हर रोज #YogJagran

जागरण संवाददाता • लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'दैनिक जागरण' के अभियान 'योग हर रोज' के तहत गुरुवार को योग शिविर लगाया गया।

आशियाना सेक्टर-एच के हेल्थ इज वेल्थ होलिस्टिक सेंटर के सहयोग से लगे शिविर में योग विशेषज्ञ डा. शिखा गुप्ता और योगाचार्य पंडित नवीन ने योग की बारीकियों से परिचित कराया। आशियाना के ऐकेडमी पार्क में सुबह छह से सात बजे के बीच हुए शिविर में विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि नियमित योग अभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने और जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशांत शुक्ला, श्वेता श्रीवास्तव, जागृति, कालिंदी सहित कई स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

भव्य योग कार्यक्रम : लखनऊ विश्वविद्यालय में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कला संकाय प्रांगण में सुबह 6:30 बजे भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

SWATANTRA BHARAT

लविवि : बीबीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स को बीसीआई की मंजूरी

बीए एलएलबी की तरह बीबीए व एलएलबी में होगा प्रवेश

NBT

लखनऊ विवि के छात्र करेंगे BBA-LLB की पढ़ाई

NBT न्यूज, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय पहली बार स्टूडेंट्स को कॉरपोरेट और विधिक प्रबंधन की पढ़ाई करने का अवसर देने जा रहा है। यहां बार काउंसिल ऑफ इंडिया की स्टैंडिंग कमिटी ने 5-वर्षीय बीबीए- एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स को मंजूरी दे दी है। वर्तमान सत्र से शुरू हो रहे इस रोजगारपरक पाठ्यक्रम में 180 सीटों पर स्टूडेंट्स के प्रवेश लिए जाएंगे। एलयू उत्तर प्रदेश की पहली ऐसी स्टेट यूनिवर्सिटी बन गई है, जो अपने कैंपस से सीधे यह कोर्स ऑफर कर रही है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि यह ड्यूल-डिग्री प्रोग्राम कॉर्पोरेट जगत की आधुनिक जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है। इसमें छात्रों को बिजनेस मैनेजमेंट, फाइनेंशल अकाउंटिंग और मार्केटिंग के साथ-साथ संवैधानिक व अंतरराष्ट्रीय कानूनों का गहन अध्ययन करवाया जाएगा। 5 वर्षों के दौरान छात्रों में क्रिटिकल थिंकिंग, निगोशिएशन और रिसर्च स्किल्स विकसित करने पर जोर रहेगा। इसके अलावा मूट कोर्ट, ड्राफ्टिंग और लॉ फर्म्स में अनिवार्य इंटर्नशिप भी इसका हिस्सा होंगी।

180 सीटों पर होंगे ऐडमिशन, बीसीआई ने दी अनुमति

DAINIK JAGRAN

लवि देगा बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड की डिग्री

जासं • लखनऊ : बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) की स्टैंडिंग कमेटी ने लखनऊ विश्वविद्यालय को पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की मंजूरी दे दी है। बीसीआइ की ओर से जारी पत्र के अनुसार 2026-27 से नए पाठ्यक्रम की शुरुआत हो रही है, जिसमें बीसीआइ ने प्रति सेक्शन 60 विद्यार्थियों के हिसाब से तीन सेक्शन यानी कुल 180 सीटों को नए सिरे से मंजूरी दी है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लवि यूपी का पहला ऐसा विश्वविद्यालय बन गया है, जो विद्यार्थियों को पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स आफर कर रहा है।

खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

AMRIT VICHAR

गोमती की लहरों पर योग

I NEXT

एलयू में बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड की भी डिग्री

LUCKNOW (18 June): बार काउंसिल आफ इंडिया की स्टैंडिंग कमेटी ने लखनऊ यूनिवर्सिटी को पांच वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स की मंजूरी दे दी है. शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इस नए कोर्स की शुरुआत हो रही है, जिसमें बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 स्टूडेंट्स के हिसाब से तीन सेक्शन यानी 180 सीटों को नए सिरे से मंजूरी दी है.

बार काउंसिल आफ इंडिया से दी कोर्स को मंजूरी

एलयू की एक बड़ी उपलब्धि

कोर्स की प्रमुख बातें

UNIVERSITY NEWS 19 JUNE 2026

HINDUSTAN TIMES

{ ON JAN BHAWAN CALL }

LU rolls out plan to prevent conversions

HT Correspondent
letters@htlive.com

The LU campus HT FILES

LUCKNOW: In a move following directives from the Jan Bhavan, Lucknow University (LU) on Thursday announced a comprehensive preventive action plan to curb religious conversion activities on the campus. The initiative aims to safeguard the security, dignity and mental freedom of its vast student strength, which includes over 16,000 campus enrollees and 556 affiliated colleges.

In a letter, the Jan Bhawan directed the university to safeguard students' security, dignity and mental freedom, and to prevent any activity that influences, pressures or lures students into religious conversion, shared LU registrar Bhavna Mishra.

LU spokesperson Mukul Srivastava said: "The nodal officers have been named in compliance with the directives of the governor and chancellor of state universities Anandiben Patel."

As part of the initiative, the university has appointed senior faculty members as nodal officers with different tasks. They are – Prof Kusum Yadav of biochemistry department, dean (student welfare), Prof Archana Verma of sociology department, chief proctor, Prof Sheela Mishra of statistics department and director, Legal Cell.

While the university will continue keeping vigil over students for any kind of practices related to religious conversion, students will be able to reach out to the officers through various means. The university will conduct workshops and sessions on the issue while also activating an anti-ragging cell and student welfare cell; the university will also set up sensitive counselling cells for students to share related concerns.

Prof Kusum Yadav will be the nodal officer to include awareness on the issue in sessions and inform girl students. Prof Sheela Mishra will be nodal officer to organise special lectures and discussions to build ethical values, logical thinking and awareness on legal rights among students, with focus on preventing any kind of exploitation or luring.

AAJ

एलयू को बीसीआई ने दी बीबीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम को हरी झंडी

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया बीसीआई की स्टैंडिंग कमेटी ने विश्वविद्यालय को बड़ी अकादमिक सौगात देते हुए विधि संकाय में एक नए और बहुप्रतीक्षित रोजगारपरक पाठ्यक्रम यानी पांच वर्षीय बीबीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स की नई स्वीकृति प्रदान की है। बार काउंसिल ऑफइंडिया द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इस नए पाठ्यक्रम की शुरुआत हो रही है, जिसमें बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 छात्रों के हिसाब से तीन सेक्शन यानी कुल 180 सीटों को नए सिरे से मंजूरी दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जेपी सैनी ने अपने बयान में कहा कि बार काउंसिल ऑफइंडिया द्वारा नए पांच वर्षीय बीबीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम को दी गई यह मंजूरी लविविकी अकादमिक उत्कृष्टता और कानूनी शिक्षा के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है।

TIMES OF INDIA

LU Welcomes New Medals, Course, Fresh SOPs

Names medal after late English prof

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has instituted two new gold medals to be awarded for the first time at its convocation ceremony on July 31.

The first medal is named after Prof SJH Abidi, a distinguished literary scholar and former head of the Department of English and Modern European Languages at LU.

Apart from academics, Prof Abidi was also an acclaimed author and poet.

The medal will be awarded to the student securing the highest marks in the MA English at Canning College, LU. In case of a tie, it will be given to the student securing higher marks in the final semester.

The second award, the Shri Chandramani Singh Gold Medal, will be presented annually to the student securing the highest marks in the postgraduate Jyotir Vigyan examination.

Rolls out conversion safeguards

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor's office has directed all higher education institutes in Uttar Pradesh to implement preventive mechanisms against forced or unlawful religious conversion on campuses.

Acting on the order, Lucknow University has rolled out a framework combining awareness, vigilance, counselling and security measures across its campus.

"Under the initiative, mentor-mentee sessions will now include structured awareness discussions to sensitise students about coercion and inducement. The university has also activated student welfare cells and anti-radicalisation mechanisms to monitor student well-being through regular interaction and feedback systems," said LU spokesperson Mukul Srivastava.

Gets nod for integrated BBA LLB course

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University (LU) has received approval from the Bar Council of India to introduce a five-year integrated BBA LLB programme from the 2026-27 academic session.

The newly sanctioned course will have 180 seats, divided into three sections of 60 students each. LU is the first state university in UP to offer this integrated programme.

Vice-chancellor Prof JP Saini said: "Our focus is on developing globally competent professionals who can contribute meaningfully to both legal and corporate sectors." He said BBA LLB programme is designed with a multidisciplinary approach, combining subjects such as financial accounting, marketing and business operations with constitutional law, corporate law and international legal systems. Importance will also be given to skill development through moot courts, legal drafting, case studies and internships in law firms

VOICE OF LUCKNOW

बीसीआई ने नये बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स को दी हरी झंडी

विशेष संवाददाता (vol)

- प्रदेश का पहला राज्यविवि लविवि जो छात्रों को सीधे देगा कॉर्पोरेट और विधिक प्रबंधन का वैश्विक मंच
- लविवि में 5-वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स में होंगे दाखिले

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की स्टैंडिंग कमेटी ने एक नये और बहुप्रतीक्षित रोजगारपरक पाठ्यक्रम यानी 5-वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स की नई स्वीकृति प्रदान की है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 से इस नए पाठ्यक्रम की शुरुआत हो रही है, जिसमें बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 छात्रों के हिसाब से तीन सेक्शन यानी कुल 180 सीटों को नए सिरे से मंजूरी दी है। इस कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया बीएएलएलबी की तरह ही होगी।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि बीसीआई द्वारा नए 5-वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम को दी गई यह मंजूरी लखनऊ विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और कानूनी शिक्षा के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है। हमारा मुख्य उद्देश्य छात्रों को न केवल किताबी ज्ञान देना है, बल्कि उन्हें वैश्विक पटल के योग्य कानूनी विशेषज्ञ और प्रबुद्ध नागरिक बनाना है।

लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जो सीधे अपने परिसर से छात्रों को पांच-वर्षीय बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स ऑफर कर रहा है। यह कदम राज्य के मेधावी छात्रों को कम खर्च में उच्च स्तरीय कॉर्पोरेट कानूनी शिक्षा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगा।

SWATANTRA BHARAT

नाव में योग मन में एकाग्रता : डॉ अमरजीत

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एवं ऑल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम श्रृंखला के तहत बृहस्पतिवार को गोमती नदी में नाव पर प्राकृतिक वातावरण में योगाभ्यास कर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान योग विभाग के कॉर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने अपने विस्तृत व्याख्यान में कहा कि भारतीय योग परंपरा में प्रकृति के सानिध्य में योगाभ्यास को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने बताया कि नदी के शांत जल में नाव पर योगाभ्यास करने से व्यक्ति का ध्यान सहज रूप से वर्तमान क्षण में केंद्रित होता है, जिससे मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और चेतना के जागरण में सहायता मिलती है। जल की सतत गति, प्राकृतिक ध्वनियां तथा खुला वातावरण मन को तनाव, चिंता और मानसिक विक्षेपों से मुक्त करने में सहायक होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रातःकाल के समय गोमती नदी के तट पर उपलब्ध शुद्ध एवं ताजी वायु, नदी के जल की शीतलता तथा उगते हुए सूर्य की कोमल किरणों का संयुक्त प्रभाव शरीर और मन दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। सूर्योदय के समय किया गया योगाभ्यास शरीर की जैविक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) को संतुलित करने, ऊर्जा स्तर को बढ़ाने तथा दिनभर की कार्यक्षमता में वृद्धि करने में सहायक होता है, जिसके फलस्वरूप नींद की गुणवत्ता, हार्मोनल संतुलन तथा मानसिक सक्रियता में सुधार आता है। उन्होंने बताया कि उगते हुए सूर्य के मध्यम प्रकाश में किया गया योगाभ्यास शरीर में सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक प्रसन्नता तथा एकाग्रता को बढ़ाता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति स्वयं को अधिक स्वस्थ, संतुलित और ऊर्जावान अनुभव करता है। इस दौरान दीपा श्रीवास्तव, कैलाश कुमार, मोनिका सिंह, अर्चना सिंह, रुचि धवन, आशा राजवंशी, अर्चना वर्मा, अंकिता गौतम, दीपशिखा, व्याख्या सिंह, अर्चना सिंह, शिवांगी व अनामिका सिंह मौजूद थीं।

AMRIT VICHAR

लविवि में शुरू होगा बीबीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड कोर्स, बीसीआई ने दी मंजूरी

प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बना, 2026-27 सत्र से 180 सीटों पर होगा प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बीबीए एलएलबी व बीए एलएलबी में प्रवेश प्रक्रिया एकसमान

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को बड़ी अकादमिक उपलब्धि मिली है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की स्टैंडिंग कमेटी ने विश्वविद्यालय में पांच वर्षीय बीबीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। यह पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2026-27 से शुरू होगा। बीसीआई ने प्रति सेक्शन 60 छात्रों के आधार पर तीन सेक्शन में कुल 180 सीटों को मंजूरी दी है। इस उपलब्धि के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जहां परिसर से सीधे बीबीए एलएलबी इंटीग्रेटेड डिग्री की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे छात्रों को प्रबंधन और विधि शिक्षा के समन्वित अध्ययन का अवसर मिलेगा।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि बीसीआई की मंजूरी विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और कानूनी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक स्तर पर सक्षम कानूनी विशेषज्ञ और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इस पाठ्यक्रम में प्रबंधन विज्ञान, वित्तीय लेखांकन, विपणन, संवैधानिक कानून, व्यापार कानून और अंतरराष्ट्रीय विधिक प्रणालियों का अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही मूट कोर्ट, लीगल ड्राफ्टिंग, केस स्टडी और इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

25 जुलाई तक पूरे होंगे दाखिले

- **अमृत विचार, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नया शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध सभी महाविद्यालयों को निर्धारित कार्यक्रम का पालन करना होगा। यह कैलेंडर उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है। कैलेंडर के अनुसार प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया 25 जुलाई तक पूरी कर ली जाएगी, जबकि नवप्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं 27 जुलाई से शुरू होंगी। प्रथम, तृतीय, पंचम और सप्तम सेमेस्टर का शिक्षण कार्य 31 अक्टूबर तक पूरा होगा। प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 नवंबर तक संपन्न कराई जाएंगी और विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक आयोजित होंगी। परिणाम 3 जनवरी 2027 तक घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। सम सेमेस्टर की कक्षाएं 4 जनवरी से शुरू होकर 3 अप्रैल तक चलेंगी। प्रयोगात्मक परीक्षाएं 10 अप्रैल तक और मुख्य परीक्षाएं 12 अप्रैल से 11 मई 2027 तक आयोजित की जाएंगी। इनके परिणाम 10 जून तक घोषित होंगे। वार्षिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं भी इसी अवधि में संपन्न कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 को पूरी तरह लागू करने, सतत आंतरिक मूल्यांकन (सीआईई) को बढ़ावा देने तथा मिड-टर्म परीक्षाओं से बचने के निर्देश दिए हैं।

छात्रों को इन क्षेत्रों में मिलेगा लाभ : बीबीए एलएलबी की डिग्री के बाद छात्रों के लिए कॉरपोरेट लॉ फर्म, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, बैंकिंग संस्थानों, एनबीएफसी, बीमा क्षेत्र और लीगल कंप्लायंस जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर खुलेंगे। इसके अलावा छात्र न्यायिक सेवाओं और स्वतंत्र वकालत के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकेंगे।